अभ्यास पत्रक

पाठ – कर चले हम फ़िदा

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

1. पद्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)

"अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों
खून देकर किए हैं हिफाज़त जिसकी
हमने उस फूल को बारहा है सींचा।"

1. सैनिकों ने किन शब्दों में वतन की जिम्मेदारी सौंपी है?

उत्तर - .....
.....

2. 'फूल' किसका प्रतीक है और उसे 'सींचने' से क्या तात्पर्य है?

उत्तर - .....
.....

3. यह पंक्तियाँ किन भावनाओं से ओतप्रोत हैं?

उत्तर - .....
.....

2. Assertion-Reason आधारित प्रश्न – (2x1=2 अंक)

4. **कथन:** कविता में 'फूल' शब्द का प्रयोग देश के प्रतीक रूप में हुआ है।
   कारण: सैनिकों ने देश को सुंदर और कोमल बताया है।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

5. **कथन:** कविता केवल सैनिकों की वीरता का वर्णन करती है।
   कारण: इसमें देशवासियों को कोई संदेश नहीं है।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

3. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) – (5x1=5 अंक)

6. "कर चले हम फ़िदा" कविता किस शैली में रची गई है?
   (क) वीर रसात्मक (ख) हास्य रसात्मक (ग) शांत रसात्मक (घ) श्रृंगारिक

7. कविता में कौन-सा भाव सर्वोपरि है?
   (क) मोह (ख) देशभक्ति (ग) भय (घ) द्वेष

8. कविता का अंत किस भाव से होता है?
   (क) भय और शंका (ख) क्रोध (ग) आत्मविश्वास और प्रेरणा (घ) पराजय

9. 'अब तुम्हारे हवाले वतन' किस प्रकार का भाव दर्शाता है?
   (क) उत्तरदायित्व (ख) समर्पण (ग) प्रेरणा (घ) उपरोक्त सभी

10. कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?
    (क) सैनिक थक चुके हैं (ख) अब कोई युद्ध नहीं होना चाहिए
    (ग) देश की रक्षा का कार्य केवल सैनिकों का नहीं (घ) युद्ध में हार हुई है

eGyanarchive

4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)

11. 'खून देकर किए हैं हिफाजत जिसकी' – यह पंक्ति सैनिकों के किस बलिदान को दर्शाती है?

उत्तर - ....

....

....

12. कविता में 'हिफाजत' शब्द किस गहराई को उजागर करता है?

उत्तर - ....

....

....

13. कविता का शीर्षक सैनिकों की भावना को कैसे प्रतिबिंबित करता है?

उत्तर - ....

....

....

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (4 अंक) *(उत्तर 100–120 शब्दों में दीजिए)*

14. "कर चले हम फ़िदा" कविता केवल सैनिकों के युद्ध का चित्रण नहीं, बल्कि देशवासियों की ज़िम्मेदारी का संदेश भी है – स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - ....

....

....

....

....

....

....

....

....

6. निबंधात्मक प्रश्न – (5 अंक) *(उत्तर 160–180 शब्दों में दीजिए)*

15. "बलिदान का मार्ग वीरों का मार्ग है, जो भविष्य की नींव रखता है" – इस कथन की पुष्टि कविता के संदर्भ में कीजिए।

उत्तर - ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

egyanarchive

उत्तर कुंजी

1. "अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो" कहकर सैनिक देश की रक्षा की जिम्मेदारी देशवासियों को सौंपते हैं।
2. 'फूल' देश का प्रतीक है और 'सींचना' मतलब उसके लिए रक्त बहाना – यानी रक्षा करना।
3. त्याग, प्रेम, समर्पण और राष्ट्रभक्ति।
4. (क)
5. (घ)
6. (क)
7. (ख)
8. (ग)
9. (घ)
10. (ग)
11. यह पंक्ति दर्शाती है कि सैनिकों ने अपने खून से देश की सुरक्षा की है। उनका बलिदान देश के लिए अटूट प्रेम और समर्पण का प्रतीक है।
12. 'हिफाजत' केवल रक्षा नहीं, बल्कि सम्मान, अस्तित्व और देश की अस्मिता को बचाने की गहरी भावना को दर्शाता है।
13. "कर चले हम फ़िदा" – शीर्षक दर्शाता है कि सैनिकों ने अपना सर्वस्व देश के लिए बलिदान कर दिया और अब उन्होंने भावी पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंप दी है।

14. इस कविता में केवल सैनिकों की वीरता नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी को उजागर किया गया है। सैनिक अपने प्राणों की आहुति देते हुए यह संदेश देते हैं – "अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों।" इसका अर्थ है कि अब देश की रक्षा का उत्तरदायित्व आम जनता पर है। कवि यह स्पष्ट करता है कि देशप्रेम केवल सीमा पर लड़ने वालों का नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। यह कविता देश की अखंडता, गौरव और बलिदान की परंपरा को जीवित रखने का आह्वान करती है।

15. 'बलिदान' केवल मृत्यु नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए जीवन की नींव रखना है। "कर चले हम फ़िदा" कविता के सैनिक यह सिद्ध करते हैं कि उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देश की रक्षा के लिए दी है। उन्होंने 'फूल' (देश) को खून से सींचा और उसे सुरक्षित रखने का कार्य किया। लेकिन उन्होंने यह कार्य केवल एक युद्ध जीतने के लिए नहीं किया – बल्कि इसलिए कि आने वाली पीढ़ियाँ स्वतंत्र, सुरक्षित और सम्मानित जीवन जी सकें। उन्होंने अपने रक्त से धरती को सींचा और कहा – "अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों।" यह वाक्य एक प्रेरणा है कि हमें उस बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए। यह कविता दर्शाती है कि जो वीर बलिदान देते हैं, वे इतिहास में अमर रहते हैं, और वही भविष्य का मार्ग प्रशस्त करते हैं।